



संदेश

हिंदी दिवस के गरिमामय अवसर पर औषध विभाग तथा इसके अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत विविध भाषाओं और समृद्ध संस्कृतियों का देश है। इस बहुभाषिकता को सम्मान देते हुए और सम्पूर्ण राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने के उद्देश्य से, हमारी संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। हिंदी भाषा राष्ट्र को जोड़ने वाली एक सशक्त कड़ी है। आज वैश्विक पटल पर भी हिंदी एक अत्यंत समृद्ध, सरल और वैज्ञानिक भाषा के रूप में स्थापित हो रही है।

संघ की राजभाषा नीति का मुख्य आधार "प्रेरणा", "प्रोत्साहन" और "पुरस्कार" है और इससे संबंधित संवैधानिक प्रावधानों और अनुदेशों का पालन पूर्ण निष्ठा और दृढ़ता से करना हम सभी का दायित्व है।

मैं विभाग और इसके अधीनस्थ सभी कार्यालयों के अधिकारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने दैनिक कार्यों, जैसे कि फाइलों पर टिप्पण और पत्राचार में राजभाषा हिंदी को प्राथमिकता दें। आपकी यह पहल आपके सहयोगी अधिकारियों और कर्मचारियों को भी हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करेगी।

आइए, हिंदी दिवस के इस गौरवशाली अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि हम राजभाषा हिंदी को आधुनिक विज्ञान, तकनीकी और डिजिटल माध्यमों की दृष्टि से और अधिक समृद्ध बनाएंगे तथा सरकारी काम-काज में इसके प्रयोग का निरंतर संवर्धन करेंगे।

इस सार्थक प्रयास में मेरी हार्दिक शुभकामनाएं सदैव आपके साथ हैं।

जय हिंद।

मनोज जोशी

(मनोज जोशी)